प्रतिवेदन

भारत सरकार द्वारा घोषित "**हमारा संविधान – हमारा स्वाभिमान**" अभियान के अंतर्गत शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 को हिंदुस्तानी भाषा अकादमी, डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र तथा राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "अपने संविधान को जानें" विषय पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, उसके मूल्यों को समझने के लिए प्रेरित करना तथा लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजधानी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) दर्शन पाण्डेय ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कॉर्पोरेट अटॉर्नी एवं संविधान विशेषज्ञ श्री नवोदित मेहरा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में **डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के निदेशक कर्नल श्री आकाश पाटील** तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष श्री सुधाकर पाठक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को समृद्ध किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में एक गरिमामयी और प्रेरणादायी माहौल निर्मित हुआ। इसके पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार झा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन व्यवस्था का आधार नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतांत्रिक आदर्शों, सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों का सशक्त दस्तावेज है। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान की मूल भावना को समझने और उसे अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

इसके उपरांत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजधानी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) दर्शन पाण्डेय ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए "हमारा संविधान – हमारा स्वाभिमान" अभियान की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि "हमारे संविधान से ही हमारा स्वाभिमान है।" उनके अनुसार भारतीय संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक चेतना, समानता और न्याय की भावना का प्रतीक है।

परिचर्चा की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष श्री सुधाकर पाठक ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। उन्होंने युवाओं में संविधान के माध्यम से नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा एक संस्कारवान पीढ़ी के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "हमारी भाषाएँ बचेंगी तो हमारे संस्कार बचेंगे", और यह भी कि हमारे संस्कारों की जड़ें हमारे संविधान की मूल भावना से भी गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कॉर्पोरेट अटॉर्नी एवं संविधान विशेषज्ञ श्री नवोदित मेहरा ने भारतीय संविधान के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान ने देश में व्यापक सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया और आज यह राष्ट्रीय चेतना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त प्रतीक बन चुका है। उन्होंने संविधान के निर्माण की प्रक्रिया, उसके मूल सिद्धांतों तथा उसके सामाजिक प्रभावों को विद्यार्थियों के समक्ष सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि कर्नल श्री आकाश पाटील ने अपने संबोधन में वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय संविधान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि "हर भारतीय को अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए।" उन्होंने भारत के पड़ोसी देशों का उदाहरण देते हुए वहाँ की राजनीतिक अस्थिरता की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि भारतीय संविधान की मजबूती ही है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी भारत

एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने दृढ़ता से खड़ा है।

परिचर्चा के अतिरिक्त इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों और सिद्धांतों को जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों की सहभागिता और उत्साह ने कार्यक्रम को अत्यंत सफल और प्रभावी बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जसवीर त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों तथा आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति में प्रो. राजेश कुमार झा (विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग), प्रो.जसवीर त्यागी (विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग), डॉ. सुशांत कुमार झा (राजनीति विज्ञान विभाग), प्रो. महेन्द्र सिंह (समन्वयक, राजनीति विज्ञान विभाग) तथा डॉ. उमेश कुमार (समन्वयक, बी.ए. प्रोग्राम) शामिल रहे।

इस प्रकार यह कार्यक्रम भारतीय संविधान की मूल भावना, उसके आदर्शों और लोकतांत्रिक मूल्यों को विद्यार्थियों के मध्य प्रसारित करने की दिशा में एक सार्थक और प्रेरणादायी पहल सिद्ध हुआ।

चित्र दीर्घा

डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
राजधानी महाविद्यालय
हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
के संयुक्त तत्त्वावधान में भारत सरकार के
'हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान' अभियान के अंतर्गत आयोजित
परिचर्चा : आपके संविधान को जानें
शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026 | समय : प्रातः 10.30 बजे
स्थान: राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110015